भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †111
सोमवार, 3 फरवरी, 2025/14 माघ, 1946 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

महाराष्ट्र में समुद्री किला पर्यटन

†111. डॉ. शिवाजी बंडाप्पा कालगेः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का महाराष्ट्र में समुद्री किला पर्यटन विकसित करने के लिए राज्य सरकार के साथ सहयोग करने का प्रस्ताव है क्योंकि कई ऑन-शोर और ऑफ-शोर किले हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने समुद्र-किला पर्यटन शुरू करने के लिए कोई समयबद्ध योजना तैयार की है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (घ): हालांकि पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है, तथापि, पर्यटन मंत्रालय ‘स्वदेश दर्शन’ और ‘तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)’ नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं द्वारा राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को योजना दिशा-निर्देशों के अनुरूप, निधियों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन के विकास संबंधी प्रयासों को संपूरित करता है।

वर्ष 2015-16 में, स्वदेश दर्शन योजना के तटीय परिपथ थीम के तहत, 'सिंधुदुर्ग तटीय परिपथ - सागरेश्वर, तारकरली, विजयदुर्ग (बीच और क्रीक), मितभव का विकास' नामक एक परियोजना को मंजूरी दी गई थी। महाराष्ट्र सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, उक्त परियोजना वास्तविक रूप से पूरी हो गई है।

पर्यटन मंत्रालय ने गंतव्य और पर्यटक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों के विकास हेतु स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के नाम से नया रूप दिया है।

सरकार ने 'पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)- वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' नामक योजना के तहत हाल ही में देश में 3295.76 करोड़ रु. की 40 परियोजनाओं को स्वीकृति दी है।

महाराष्ट्र में स्वदेश दर्शन, एसडी 2.0, प्रशाद और एसएएससीआई योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है। इसमें समुद्री किलों के आस-पास के हस्तक्षेप भी शामिल हैं।

चिह्नित गंतव्यों पर परियोजना संबंधी प्रस्तावों को संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा तैयार किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत, समुद्र-दुर्ग पर्यटन के विकास सहित पर्यटक स्थलों के विकास हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए समय-समय पर राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों से प्रस्ताव प्राप्त होते हैं। परियोजनाओं की समीक्षा और स्वीकृति एक सतत प्रक्रिया है जिसे योजना दिशा-निर्देशों में निर्धारित प्रक्रियाओं और अपेक्षाओं के अनुसार निष्पादित किया जाता है।

****

अनुबंध

डॉ. शिवाजी बंडाप्पा कालगे द्वारा महाराष्ट्र में समुद्री किला पर्यटन के संबंध में दिनांक 03.02.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †111 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

महाराष्ट्र राज्य में स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:-

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**परिपथ**	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1	तटीय परिपथ	2015-16	सिंधुदुर्ग तटीय परिपथ - सागरेश्वर, तारकरली, विजयदुर्ग (बीच और क्रीक), मितभव का विकास	19.06
2	आध्यात्मिक परिपथ	2018-19	वाकी - अदासा - धापेवाड़ा - पारदसिंघा - तेलनखेडी - गिराड का विकास	45.47

महाराष्ट्र राज्य में स्वदेश दर्शन *2.0* के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:-

क्र. सं.	**गंतव्य**	**एक्सपीरियंस का नाम**	**स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)**	**स्वीकृति की तिथि**
1	पुणे	शिवसृष्टि एतिहासिक थीम पार्क-चरण 3	76.22	21-09-2024

महाराष्ट्र राज्य में पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई योजना) -वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:-

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)**	**स्वीकृति की तिथि**
1	सिंधुदुर्ग में आईएनएस-गुलदार अंतर्जलीय संग्रहालय, कृत्रिम रीफ और पनडुब्बी पर्यटन	46.91	26-11-2024
2	नासिक में "राम-काल पथ" का विकास	99.14	26-11-2024

महाराष्ट्र राज्य में प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:-

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)**
1	त्र्यंबकेश्वर का विकास	2017-18	42.18

****